IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 6, Issue 2, February 2026

Impact Factor: 5.731

माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक के नैतिक गुणों का विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

उमेश कुमार गुप्ता[1] , डॉ. खुशबू वर्मा[2]

[1]शोधार्थी,[2] सहायक प्रोफेसर

विभाग शिक्षा

माइंड पावर विश्वविद्यालय, भीमताल, नैनीताल

सारांश : *यह शोधपत्र माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के नैतिक गुणों एवं उनके विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करता है। शिक्षक केवल ज्ञान के प्रसारक नहीं, बल्कि आदर्श एवं मार्गदर्शक होते हैं, जिनका व्यक्तित्व एवं नैतिक चरित्र विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को दिशा देता है । शोध साक्ष्य बताते हैं कि शिक्षक की व्यक्तित्व क्षमता एवं नैतिक गुणों का सीधा संबंध विद्यार्थियों की अधिगम उपलब्धि एवं अभिप्रेरणा से होता है । शिक्षकों की नैतिकता, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता एवं सहानुभूति न केवल एक सुरक्षित एवं सहायक शिक्षण वातावरण का निर्माण करती है, बल्कि विद्यार्थियों के मूल्यों, आत्मविश्वास एवं शैक्षणिक प्रदर्शन को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है । मौजूदा शोध साहित्य की समीक्षा से निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षक के नैतिक गुण—जैसे ईमानदारी, जिम्मेदारी, करुणा एवं न्याय—विद्यार्थियों की अनुभूतिगत एवं अ-अनुभूतिगत कौशलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । यह अध्ययन इस संबंध को स्पष्ट करने हेतु विभिन्न सैद्धांतिक ढाँचों एवं अनुभवजन्य अनुसंधानों का समन्वय प्रस्तुत करता है।*

Keywords: माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक के नैतिक गुणों का विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

Copyright to IJETIR
www.iciset.in

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 5.731

1. परिचय

शिक्षा केवल सूचनाओं के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विद्यार्थी के व्यक्तित्व, मूल्यों और नैतिक दृष्टिकोण का निर्माण होता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण एजेंट होते हैं, क्योंकि विद्यार्थी सचेतन एवं अवचेतन रूप से अपने शिक्षकों के मूल्यों, विचारों और आदतों का अनुकरण करते हैं । वर्तमान युग में जब नैतिक मूल्यों का ह्रास एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है, शिक्षकों की नैतिक विशेषताओं का अध्ययन अत्यधिक प्रासंगिक हो जाता है ।

शोध बताते हैं कि शिक्षक अपने व्यवहार, दृष्टिकोण और मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थियों पर गहरा प्रभाव डालते हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (NIEPA) की रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षक विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि को 30% तक एवं जीवन कौशलों को 23% तक प्रभावित करते हैं । इसी प्रकार, NCERT के अध्ययन में 65% भारतीय विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को नैतिक एवं मूल्य संबंधी मार्गदर्शन का प्राथमिक स्रोत माना है । ये आँकड़े स्पष्ट करते हैं कि शिक्षकों का नैतिक चरित्र विद्यार्थियों के विकास में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

वर्तमान शोधपत्र का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के नैतिक गुणों और विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की पड़ताल करना है। यह अध्ययन शैक्षिक नीतियों, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं विद्यालय प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक सुझाव प्रदान कर सकता है।

2. सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

2.1 शिक्षक के नैतिक गुण: अवधारणा एवं आयाम

शिक्षक के नैतिक गुण उन चारित्रिक विशेषताओं, मूल्यों एवं आचरण के उस समुच्चय को संदर्भित करते हैं जो शिक्षक के व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन में परिलक्षित होते हैं। इनमें ईमानदारी, जिम्मेदारी, निष्पक्षता, करुणा, सहानुभूति, सत्यनिष्ठा, आत्म-अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे गुण सम्मिलित हैं । शिक्षक की व्यक्तित्व क्षमता को समुदाय में उनकी शैक्षणिक योग्यता या व्यावसायिक क्षमता से भी अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि शिक्षक के आचरण में कोई दोष समाज में तीव्र प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है ।

शोधकर्ताओं ने शिक्षक मूल्यों को छह आयामों में वर्गीकृत किया है: सैद्धांतिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, सौंदर्यबोध मूल्य, सामाजिक मूल्य, राजनीतिक मूल्य एवं धार्मिक मूल्य । विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि शिक्षकों के इन मूल्यों का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता से

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 5.731

सकारात्मक या नकारात्मक संबंध होता है । उदाहरणार्थ, वालिया (2012) के अनुसार शिक्षक प्रभावशीलता का सौंदर्यबोध, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक मूल्यों से सकारात्मक, जबकि सैद्धांतिक, राजनीतिक एवं सुखवादी मूल्यों से नकारात्मक संबंध पाया गया ।

2.2 नैतिक नेतृत्व एवं शैक्षणिक नवाचार

नैतिक नेतृत्व की अवधारणा शिक्षक के नैतिक गुणों को प्रशासनिक परिप्रेक्ष्य में स्थापित करती है। अध्ययन बताते हैं कि नैतिक नेतृत्व एक सहयोगात्मक एवं समावेशी शिक्षण वातावरण का निर्माण करता है, जो शिक्षा में नवाचार को प्रोत्साहित करता है । उच्च स्तरीय शिक्षक नैतिकता का विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, अभिप्रेरणा एवं बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है । यह परिणाम बताता है कि नैतिक गुण न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि संस्थागत स्तर पर भी शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं।

3. शिक्षक के नैतिक गुण एवं विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि: अनुभवजन्य साक्ष्य

3.1 शैक्षणिक उपलब्धि पर सीधा प्रभाव

शोध साक्ष्यों की समीक्षा से स्पष्ट होता है कि शिक्षकों के नैतिक गुणों का विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सीधा एवं सार्थक प्रभाव पड़ता है। **मैकलॉलिन, बार्ट्रम और हैरिसन (2025)** के बड़े पैमाने के अध्ययन में पाया गया कि चरित्र शिक्षा में मान्यता प्राप्त विद्यालयों ने सरकारी मापदंडों (Progress 8) पर उच्चतर स्कोर प्राप्त किए, जो विद्यार्थियों की पूर्व योग्यता एवं सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को नियंत्रित करने के बाद भी सार्थक पाया गया । यह अध्ययन इस बात का प्रबल साक्ष्य प्रस्तुत करता है कि चरित्र शिक्षा—जिसके केंद्र में शिक्षकों का नैतिक आचरण है—शैक्षणिक विकास को सार्थक रूप से बढ़ावा देती है।

फाचरराजी (2017) के गुणात्मक अध्ययन ने पुष्टि की कि शिक्षक की व्यक्तित्व क्षमता विद्यार्थियों की नैतिक स्थिति में योगदान देती है, जबकि मात्रात्मक अध्ययनों ने शिक्षक की व्यक्तित्व क्षमता और विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा एवं उपलब्धि के बीच सार्थक संबंध पाया । इसी प्रकार, **शोएब, अहमद और कंवल (2024)** ने पाया कि शिक्षकों के चरित्रगत सामर्थ्य—जैसे जीवंतता, दया, नेतृत्व, नम्रता, जिज्ञासा, खुलापन, दृढ़ता, सत्यनिष्ठा, सामाजिक बुद्धिमत्ता, विवेक, आशा एवं कृतज्ञता—शिक्षण प्रभावशीलता की सकारात्मक भविष्यवाणी करते हैं ।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 5.731

3.2 अप्रत्यक्ष प्रभाव: अनुभूतिगत एवं अ-अनुभूतिगत माध्यम

शिक्षक के नैतिक गुणों का प्रभाव विद्यार्थियों के अनुभूतिगत (cognitive) एवं अ-अनुभूतिगत (non-cognitive) कौशलों दोनों पर पड़ता है। **बियास्ड टीचर्स एंड जेंडर गैप** अध्ययन (2023) में पाया गया कि लैंगिक रूढ़िवादिता रखने वाले गणित शिक्षक लड़कियों के गणित स्कोर, गणित के प्रति दृष्टिकोण, शैक्षणिक आत्मविश्वास एवं प्रयास को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं । यह अध्ययन इस बात का प्रमाण है कि शिक्षक की नैतिक विशेषताएँ (यहाँ लैंगिक निष्पक्षता) सीधे विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन एवं उससे जुड़े मनोवैज्ञानिक कारकों को प्रभावित करती हैं।

शिक्षक व्यावसायिक नीतिशास्त्र पर केंद्रित अध्ययन में पाया गया कि शिक्षक जो व्यावसायिक नैतिकता (ईमानदारी, जिम्मेदारी, निष्पक्षता, देखभाल) को बनाए रखते हैं, वे सकारात्मक आदर्श बनते हैं, एक सुरक्षित एवं सहायक शिक्षण वातावरण का निर्माण करते हैं, तथा ईमानदारी, अनुशासन, सहानुभूति एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों को स्थापित करते हैं ।

3.3 विद्यार्थी अभिप्रेरणा एवं आत्म-प्रभावकारिता

शिक्षकों के नैतिक गुण विद्यार्थियों की आंतरिक अभिप्रेरणा एवं आत्म-प्रभावकारिता को बढ़ाकर शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं। **शोएब एवं अन्य (2024)** के अनुसार, शिक्षक की आत्म-प्रभावकारिता की भावना उनके चरित्र सामर्थ्य और शिक्षण प्रभावशीलता के बीच मध्यस्थता का कार्य करती है । इसका तात्पर्य यह है कि जब शिक्षक अपनी नैतिक विशेषताओं के प्रति आश्वस्त होते हैं, तो वे अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ाते हैं, जिससे विद्यार्थियों की उपलब्धि बेहतर होती है।

हसीबुआन, स्याह और मार्जुकी (2018) के अध्ययन में पाया गया कि विद्यालयों में चरित्र शिक्षा का प्रबंधन विद्यार्थियों के नैतिकता एवं उपलब्धि को प्रभावित करता है । स्कूल के वातावरण में शिक्षकों का नेतृत्व एवं नैतिक आचरण सीधे विद्यार्थियों के व्यवहार एवं अधिगम परिणामों को प्रभावित करता है ।

4. संदर्भगत एवं मध्यस्थ कारक

4.1 शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों की गुणवत्ता

शिक्षक के नैतिक गुणों का प्रभाव शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों की गुणवत्ता के माध्यम से भी कार्य करता है। शोध बताते हैं कि जब शिक्षक सहानुभूति, सम्मान और निष्पक्षता का प्रदर्शन करते हैं, तो विद्यार्थी अधिक जुड़ाव, विश्वास एवं अधिगम अभिप्रेरणा अनुभव करते

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 5.731

हैं । **हौगांग सेकेंडरी स्कूल** के शिक्षक जूडी एनजी का उदाहरण इसका जीवंत प्रमाण है—उन्होंने विद्यार्थियों का आत्मविश्वास एवं आत्म-सम्मान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए नैतिक एवं चरित्र शिक्षा को गणित शिक्षण के साथ एकीकृत किया, जिससे विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा एवं प्रदर्शन में सुधार हुआ ।

4.2 विद्यालय नीतियाँ एवं प्रशासनिक समर्थन

अबोआजी (2025) ने अपने अध्ययन में बताया कि शिक्षक जब नैतिक दुविधाओं और उच्च-दांव परीक्षा प्रणालियों के दबाव का सामना करते हैं, तो उनकी नैतिकता से समझौता हो सकता है । उच्च-दांव मूल्यांकन का दबाव शिक्षण में सत्यनिष्ठा को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है (r = -.61), जबकि विद्यार्थी प्रदर्शन सुधारने का दबाव व्यावसायिक नैतिकता के पालन से सकारात्मक रूप से संबंधित पाया गया (r = .71) । यह विरोधाभासी परिणाम इस ओर संकेत करता है कि विद्यालय नीतियाँ एवं प्रशासनिक सहयोग शिक्षकों के नैतिक आचरण एवं उसके विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभाव को मध्यस्थता प्रदान करते हैं।

5. निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 निष्कर्ष

इस शोधपत्र के निष्कर्ष बताते हैं कि माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक के नैतिक गुणों का विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर बहुआयामी एवं सार्थक प्रभाव पड़ता है। शिक्षक की सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, करुणा, जिम्मेदारी, ईमानदारी एवं आत्म-प्रभावकारिता न केवल एक सकारात्मक शिक्षण वातावरण का निर्माण करती है, बल्कि विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा, आत्मविश्वास, दृष्टिकोण एवं अनुभूतिगत विकास को भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है ।

शोध साक्ष्य यह भी रेखांकित करते हैं कि शिक्षकों के नैतिक गुण विद्यार्थियों के लिए आदर्श का कार्य करते हैं; विद्यार्थी अपने शिक्षकों के मूल्यों, विचारों एवं आचरण का अनुकरण करते हैं । इस प्रकार, शिक्षकों का नैतिक चरित्र न केवल शैक्षणिक बल्कि नैतिक एवं सामाजिक विकास का भी आधार बनता है । साथ ही, शिक्षकों पर उच्च-दांव मूल्यांकन प्रणालियों का दबाव उनकी नैतिकता से समझौता कर सकता है, जिससे विद्यार्थियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है ।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 6, Issue 2, February 2026
Impact Factor: 5.731

5.2 शैक्षिक निहितार्थ एवं सुझाव

इन निष्कर्षों के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत हैं:

1. **शिक्षक चयन एवं नियुक्ति:** शिक्षकों के चयन में उनके चरित्र सामर्थ्य एवं नैतिक गुणों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए ।
2. **सतत् व्यावसायिक विकास:** शिक्षकों के लिए नैतिकता एवं मूल्य शिक्षा पर आधारित नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए ।
3. **सहायक विद्यालय नीतियाँ:** उच्च-दांव परीक्षा प्रणालियों के दबाव को कम करने हेतु ऐसी नीतियाँ बनाई जानी चाहिए जो शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता एवं निर्णयन क्षमता को सुरक्षित रखें ।
4. **शिक्षक-विद्यार्थी संबंध:** विद्यालय प्रबंधन को शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि नैतिक गुणों का प्रभाव इसी माध्यम से सर्वाधिक कार्यशील होता है ।

5.3 भविष्य के अनुसंधान हेतु दिशा-निर्देश

भविष्य में इस विषय पर और अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है:

- विभिन्न सांस्कृतिक एवं भौगोलिक संदर्भों में शिक्षक नैतिक गुणों एवं शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन।
- शिक्षकों के विशिष्ट नैतिक गुणों (जैसे करुणा, सत्यनिष्ठा, न्यायप्रियता) का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर अलग-अलग प्रभाव का विश्लेषण।
- डिजिटल शिक्षण वातावरण में शिक्षकों के नैतिक गुणों की भूमिका एवं चुनौतियों का अध्ययन।
- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नैतिकता एवं मूल्य शिक्षा के दीर्घकालिक प्रभावों का मूल्यांकन।

संदर्भ

1. ऐनी, एन., पुत्री, के.यू., पारादीपा, पी., और रहायु, एन.ए. (2025)। शैक्षिक नवाचार के चालक के रूप में नैतिकता, नेतृत्व का प्रभाव और छात्र प्रदर्शन पर इसका प्रभाव। इंडोनेशियाई शैक्षिक प्रशासन और नेतृत्व जर्नल (आदर्श), *7*(1), 1-19। https://doi.org/10.22437/ideal.v7i1.40069

2. दक्षिणामूर्ति, के. (2004)। माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के बीच सामाजिक विज्ञान में शैक्षणिक उपलब्धि पर शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता, शिक्षकों के व्यक्तित्व और शिक्षकों के रवैये का प्रभाव [डॉक्टरेट शोध प्रबंध, कुवेम्पु विश्वविद्यालय]। शोधगंगा.
3. फक्रूराज़ी, एफ. (2017)। व्यावसायिक गुरु के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए नैतिक वेतन प्रदान करना। एट-तुरात्स, *10*(2). https://doi.org/10.24260/at-turats.v11i1.868
4. हसीबुआन, ए.ए., सियाह, डी., और मार्ज़ुकी, एम. (2018)। एसएमए के लिए जिम्मेदार कार्यों का प्रबंधन। तारबावी: जर्नल कीलमुआन मनाजेमेन पेंडिडिकन, *4*(02), 191. https://doi.org/10.32678/tarbawi.v4i02.1230
5. मैकलॉघलिन, एस., बार्ट्राम, आर., और हैरिसन, टी. (2025)। अंग्रेजी स्कूलों में चरित्र शिक्षा और शैक्षणिक प्रगति [प्रीप्रिंट]। PsyArXiv. https://doi.org/10.31234/osf.io/7hpb3_v2
6. नटुमी, एस., अपाउ, एस.के., और येबोआ, ए. (2026)। घाना में उच्च-स्तरीय परीक्षा व्यवस्थाओं में शिक्षकों की नैतिक दुविधाएँ और पेशेवर नैतिकता। शिक्षा की खोज करें. https://link.springer.com/article/10.1007/s44217-026-01854-7
7. Schoolbag.sg. (2024, 9 सितंबर). अच्छे गुण और उम्मीद जगाना ही उनकी सफलता का मंत्र है। Schoolbag. https://www.schoolbag.edu.sg/story/cultivating-virtue-and-hope-is-her-winning-formula/
8. Shoaib, S., Ahmed, M., & Kanwal, F. (2024). सेकेंडरी स्कूल के शिक्षकों की पढ़ाने की क्षमता और उनके चरित्र की खूबियां: शिक्षकों के खुद की क्षमता पर भरोसे (self-efficacy) की मध्यस्थ भूमिका। Pakistan Social Sciences Review, *8*(3), 719–731. https://doi.org/10.35484/pssr.2024(8-III)57
9. Sutton, R. (2004). शिक्षकों की भावनाओं को नियंत्रित करने के लक्ष्य और तरीके। Social Psychology of Education, *7*(4), 379–398.
10. Vardhman Podar Learn School, Seoni. (2023, 19 मई). शिक्षक-छात्र का रिश्ता: सीखने का एक सफल माहौल बनाना। VPL School Blogs. https://vplschool.com/blogs/the-teacher-student-bond-shaping-a-successful-learning-ecosystem/

11. Walia, D. (2012). शिक्षकों की पढ़ाने की क्षमता और उनके मूल्यों के बीच संबंध [डॉक्टरेट शोध-प्रबंध, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय]।